

P. R. THAKUR GOVT. COLLEGE
B.A. HONOURS PART-II
PAPER - III
SEMESTER – III
CC-6 (SANACOR6T)

TARAK MAJUMDER

अप्रस्तुतप्रशंसा

क्वचिद्विशेषः सामान्यात् सामान्यं वा विशेषतः
कार्यान्विमित्तं कार्यञ्च हेतोरथ समात् समम् ॥
अप्रस्तुतात् प्रस्तुतञ्चेद् गम्यते पञ्चधा ततः ।
अप्रस्तुतप्रशंसा स्यात्

- अप्रस्तुत पदार्थ थেকे यदि प्रस्तुत पदार्थेर प्रतीति हय ताहले अप्रस्तुतप्रशंसा अलंकार हय ।

क्वचिद्द्विशेषः सामान्यात् सामान्यं वा विशेषतः
कार्यान्विमित्तं कार्यञ्च हेतोरथ समात् समम् ॥
अप्रस्तुतात् प्रस्तुतञ्चेद् गम्यते पञ्चधा ततः ।
अप्रस्तुतप्रशंसा स्यात्

- অপ্রস্তুত সামান্য থেকে যদি প্রস্তুত বিশেষের প্রতীতি হয়
- অপ্রস্তুত বিশেষ থেকে যদি প্রস্তুত সামান্যের প্রতীতি হয়
- অপ্রস্তুত কার্য থেকে যদি প্রস্তুত কারণের প্রতীতি হয়
- অপ্রস্তুত কারণ থেকে যদি প্রস্তুত কার্যের প্রতীতি হয়
- অপ্রস্তুত সদৃশ কোন বস্তু থেকে যদি প্রস্তুত সদৃশ কোন বস্তুর প্রতীতি হয়

पादाहतं यद्गुर्थाय मूर्धनमधिरोहति ।
स्वस्थादेवापमानेऽपि देहिनस्तद्वरं रजः ॥

সামান্য থেকে বিশেষ

- অপমানে অবিচলিত দেহধারী জীব হইতে ধূলিই শ্রেষ্ঠ। কেননা সেও (ধূলি) পদদলিত হইলেও মাথায় চড়ে।

শিশুপালবধ – বলরামের উক্তি

कोकिलोऽहं भवान् काकः
समानः कालिमावयोः ।
अन्तरं कथयिष्यन्ति
काकलीकोविदाः पुनः ॥

- তুমি কাক আমি কোকিল, বন্ধু, দুজনেই মোরা কালো ।
- কাকলীরসিক মোদের তফাহ করিতে পারে ভালো ॥